भजन

तर्ज–थोड़ा सा प्यार हुआ है...

पिया जी की मेहर हुई है,रहा न कुछ भी बाकी
हयाते आब लेकर बनें है खुद ही साकी

1– मेहर के सागर खुद हैं,दिल से मेहर दिखा दी
इलम से बेशक करके,अर्श न्यामत बता दी
हुकमें ऐसा दिखाया, रहा न कुछ भी बाकी

2– आईना हमें दिखा कर, पिया पहचान करा दी
भूली रूहों को आकर,याद खुद की दिला दी
बता दी निसवत मेरी, रहा न कुछ भी बाकी

3– दिल तो अपनी रूहों का, अर्श तुमने बनाया
हम तो सब बेखबर थे, दिल से दिल को जगाया
किया दिल मेरा रोशन, रहा न कुछ भी बाकी

4–अब तो दिल में हमारे,पिया जी तुम ही तुम हो
मेहर या इश्क इलम हो, जोश तेरा हुकम हो
दिखाए सब रंग अपने,रहा न कुछ भी बाकी